

## आगाज हूँ मैं

डॉ कंचन जैन "स्वर्णा"

भीड़ का हिस्सा नहीं, आगाज हूँ मैं।  
 इतिहास बदलने वाला कलमकार हूँ मैं।  
 पूछता है जमाना मेरी पहचान, कौन हूँ मैं।  
 विचारों में समन्दर सी गहराई लेकर चलने वाला, नदी सा बहाव हूँ मैं।  
 हर सीढ़ी पर, रोज हार से मिलता हूँ,  
 फिर भी जीत का ताज हूँ मैं।  
 हाथ में लेकर कलम की ज्योति निकला हूँ,  
 भविष्य का अखण्ड दीप हूँ मैं।  
 जमीन पर खड़े होकर तिनका तिनका बुनता हूँ,  
 फिर भी वनराज हूँ मैं।  
 पढ़ रहा हूँ, करीने से इतिहास के हर पन्ने को बड़े इत्मीनान से,  
 आने वाले भविष्य का नाम हूँ मैं।  
 उगते सूरज का उजाला और चांद की चांदनी लेकर चला हूँ, प्रयासों के सफर पर  
 मैं।  
 आने वाली सुबह के पहली किरण का आगाज हूँ, मैं।

WEBSITE- [nayigoonj.com](http://nayigoonj.com)

Email address - [goonjnayi@gmail.com](mailto:goonjnayi@gmail.com)

WHATSAPP NO. 91-9785837924

